IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

शिक्षक/प्रशिक्षक अध्ययनरत विद्यार्थियों का शिक्षा के प्रति अभिवृति का अध्ययन

शोधकर्ती : दीपा मैहता

सांराशः– समाज के प्रत्येक तबके के समुचित विकास के लिए विभिन्न शैक्षिक योजनाओं के साथ बहुलतायुक्त समाज को विशिष्टताओं को ध्यान में रखते हुए वर्तमान समय में शिक्षा की तरफ गम्भीरता से ध्यान दिया जा रहा है। यह एक महत्वपूर्ण सामाजिक उत्तरदायित्व है कि हशिए पर पड़े हुए बच्चों की शिक्षा की तरफ ध्यान दिया जाए। इसके लिए यह जानना आवश्यक है कि शिक्षा के प्रति प्रशिक्षकों का दृष्टिकोण कैसा है क्योंकि अगर शिक्षक प्रशिक्षकों का शिक्षा के प्रति अभिवृति सामान्य होगी तो सबके लिये शिक्षा के लक्ष्य को सफल बनाया जा सकता है।

शोधकर्ती ने शैक्षिक अभिवृति जो आधार मानते हुए शीर्षक '' शिक्षक/प्रशिक्षकों अध्ययनरत विद्यार्थियों का शिक्षा के प्रति अभिवृति का अध्ययन'' के अन्तर्गत शोध कार्य किया। इस शोध कार्य को झुन्झूनू जिले के बी. एड महाविद्यालयों के शिक्षक/प्रशिक्षकों (100) छात्रों पर किया गया।

शोध अध्ययन के उपरान्त यह निष्कर्ष प्राप्त हुआ की महाविद्यालयों के शिक्षण प्रशिक्षकों में शैक्षिक अभिवृति का स्तर अधिकतम औसत है।

प्रस्तावनाः– मनोविज्ञान के सन्दर्भ में अभिवृति व मानसिक एवं भावनात्मक वस्तु हो जो किसी व्यक्ति की विशेषताऐं यह अभिलाक्षणिक निर्धारित करती है।

मानव जीवन में अभिवृतियों का महत्वपूर्ण स्थान है क्योंकी अभिवृतियाँ ही व्यक्ति के सामाजिक व्यवहारों को दिशा प्रदान करती है। किसी, वस्तु, प्राणी, घटना के प्रति जैसी अभिव्यक्ति होगी, व्यक्ति उसके प्रति वैसा व्यवहार करेगा।

अभिवृति का अर्थः– साधारण भाषा में अभिवृति से तात्पर्य है किसी, व्यक्ति के किसी घटना, प्राणी, विचार या वस्तु के प्रति दृष्टिकोण से है और यही दृष्टिकोण ही इनके प्रति हमारे व्यवहार को एक दिशा प्रदान करता है।

परिभाषाएँः–

1. बर्स्टन के अनुसार ''किसी मनोवैज्ञानिक वस्तु से संबधित ऋणात्मक या घनात्मक प्रभाव कि मात्रा ही अभिवृति है''

2. जेम्स ड्रेवर के अनुसार ''अभिवृति विचार, रूचि या उदेश्य प्रकट करने का अधिक या कम स्थिर समूह है जिसमें निश्चित प्रकार के अनुभव के निहित होने की सम्भावना और उचित अनुक्रिया की तत्परता रहती है।

अभिवृति के चार प्रकार है।

1. विशिष्ट अभिवृति
2. सामान्य अभिवृति
3. नकारात्मक अभिवृति
4. सकारात्मक अभिवृति

शोध अध्ययन में प्रयुक्त तकनीकी शब्दों का स्पष्टीकरण

शैक्षिक अभिवृति :– मनोवृति वह विश्वास हो जो लोगों और परिवेश के प्रति होता है शिक्षा के मामले मे, छात्रों का सकारात्मक दृष्टिकोण उनकी शैक्षणिक उपलब्धि को प्रभावित कर सकता है। वर्तमान अध्ययन से शोधकर्ती इस बात पर भी प्रकाश डालते है कि चिंता, सामाजिक आर्थिक स्थिति आदि जैसे कुछ प्रमुख कारक है।

व्यक्ति के अन्दर शिक्षा के प्रति लगाव हो जो उसे शिक्षक बनने योग्य औपचारिकताएँ प्रदान करता है इन गुणों से भार कर व्यक्ति शिक्षा को व्यवसाय के रूप में गृहण करता है। अतः वह शिक्षा को व्यवसाय या औपचारिक मात्र न बनाकर अपने एवं सामाजिक विकास के लिए आवश्यक मानता है शिक्षण विद्यार्थी को अपनी पूर्व शिक्षा के मूल्यों को उपयोगी और ज्ञान से युक्त समझते हुए समाज के सर्वागीण विकास के लिए जरूरी मानते हुए शेक्षिक क्षेत्र में कार्य को करना चाहिए। इस प्रकार से उसे देश के सामाजिक शैक्षिक विकास में वृद्धि के लिए अपना अमूल्य योगदान हमेशा प्रदान करना चाहिए।

अध्ययन के चरः–

प्रस्तुत अध्ययन में चर के रूप में केवल शैक्षिक अभिवृति को ही लिया गया है।

शोध के उधेश्यः– शिक्षक/प्रशिक्षक अध्ययनरत विधार्थियों का शिक्षा के प्रति अभिवृति का अध्ययन।

शोध की परिकल्पनाः– शिक्षक/प्रशिक्षक अध्ययनरत विद्यार्थियों का शिक्षा के प्रति अभिवृति में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

शोध विधीः–प्रस्तुत शोध कार्य में सर्वेक्षण विधी का प्रयोग किया गया है।

शोध का सीमाकंनः–

(1) शोध कार्य झुन्झूनू जिले के बी.एड. महाविद्यालियों के शिक्षण/प्रशिक्षकों पर किया गया है।

(2) शोध अध्ययन में केवल बी.एड की छात्राओं को ही लिया गया है।

शोध न्यायदर्श

यादृचिछक पद्धति द्वारा शोधकर्ती ने झुन्झूनू जिले के बी.एड. महाविद्यालय के 100 छात्रों का चयन न्यायदर्श के रूप में किया है।

शोध उपकरण

प्रस्तुत शोध हेतु डॉ S.L. Chopra द्वारा निर्मित शैक्षिक अभिवृति का प्रयोग किया गया है।

विश्वसनीयताः– पैमाने की विश्वसनीयता की गणना '' Split –Half '' विधी द्वारा भी की गई थी, बयान को पैमाने के मूल्यों के क्रम में क्रमबद्व किया गया और फिर दो समूहों को विभाजित किया गया। विषम संख्या वाले कथनों को एक समूह में और सम संख्या वालों को दूसरे समूह में रखा गया था। r, स्पीयरमैन–ब्रौन सूत्र द्वारा सही ढंग से 89 था और इससे यह भी पता चलता है कि पैमाना काफी विश्वसनीय है।

स्कोर के दो सेटों के बीच सहसंबध का गुणांक 93 था, जो की ऐसे अन्य पैमानों के दो सेटो के बीच रिर्पोट किए गए। विश्वसनियता गुणांक के साथ काफी अनुकूल रूप से तुलना करता है।

आँकडो का सारणीय अध्ययन

क्रं सं	वर्गीकरण	स्कोर	शिक्षक प्रशिक्षकों की संख्या	शिक्षक प्रशिक्षकों का (%)
1	Most Favourable	+2.01 and above	2	2%
2	Highly Favourable	+1.26 to +2.00	42	42%
3	Above Average Favourable	+0.51 to +1.25	48	48%
4	Average	-0.50 to +0.50	4	4%
5	Unfavourable	-0.51 to -1.25	4	4%

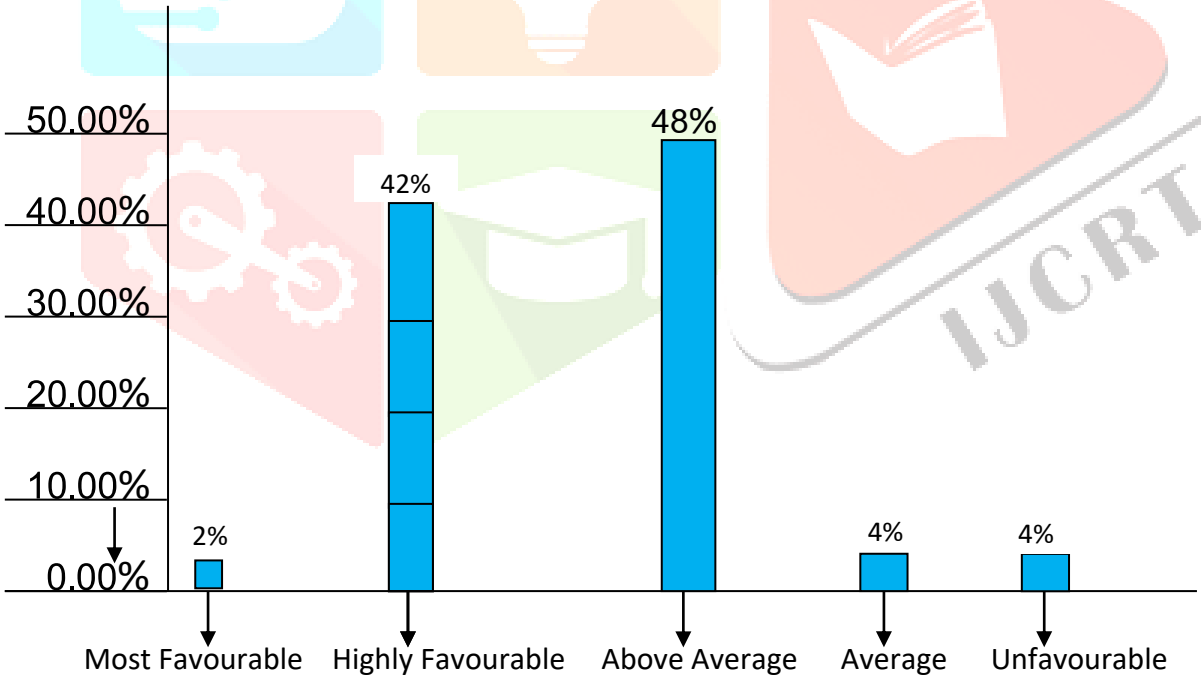

आकृतिः शिक्षक/प्रशिक्षकों अध्ययनरत विद्यार्थियों का शिक्षा के प्रति अभिवृति का ग्राफिय अध्ययन

निष्कर्ष

दिपा मेहता ने अपने शोध में पाया कि शिक्षा के प्रति प्रशिक्षकों कि अभिवृति सामान्य रूप में सकारात्मक है। इस अध्ययन में पाया कि शिक्षा के प्रति अभिवृति में शिक्षक प्रशिक्षकों कि Most Favourable संख्या 2% है तथा Highly Favourable प्रशिक्षकों 42% है और Above Average Favourable शिक्षक/प्रशिक्षकों कि संख्या 48% है तथा Average प्रशिक्षकों कि संख्या 4% है और Unfavourable शिक्षक/प्रशिक्षकों कि संख्या 4% है

प्रस्तुत शोध में अधिकतम शिक्षक प्रशिक्षकों कि शिक्षा के प्रति अभिवृति सामान्य वह उससे अच्छी है प्रस्तुत शोध में परिणाम यह हुआ कि 48% शिक्षक प्रशिक्षक Above Average Favourable अभिवृति वाले हैं अगर इन प्रशिक्षकों को प्रशिक्षण दिया जायेगा तो इनमें शिक्षा के प्रति अभिवृति बढ़ेगी, परिणाम स्वरूप शिक्षा के लक्ष्य को प्राप्त करने में सहायता होगी।

सन्दर्भ सूची :–

Dr. S.L. Chopra (Dean) Faculty Education

1. Atitude Test (Meaning of Atitude)
2. शैक्षिक अभिवृति
3. सिंह, आर, आर, ए नामदेव, एच (2014) भारत में शिक्षा की दशा परिपेक्ष्य संस्करण